ISBN: 978-93-86906-56-4
IMPRINT: BAHUVACHAN

BIOGRAPHY
₹795 HB

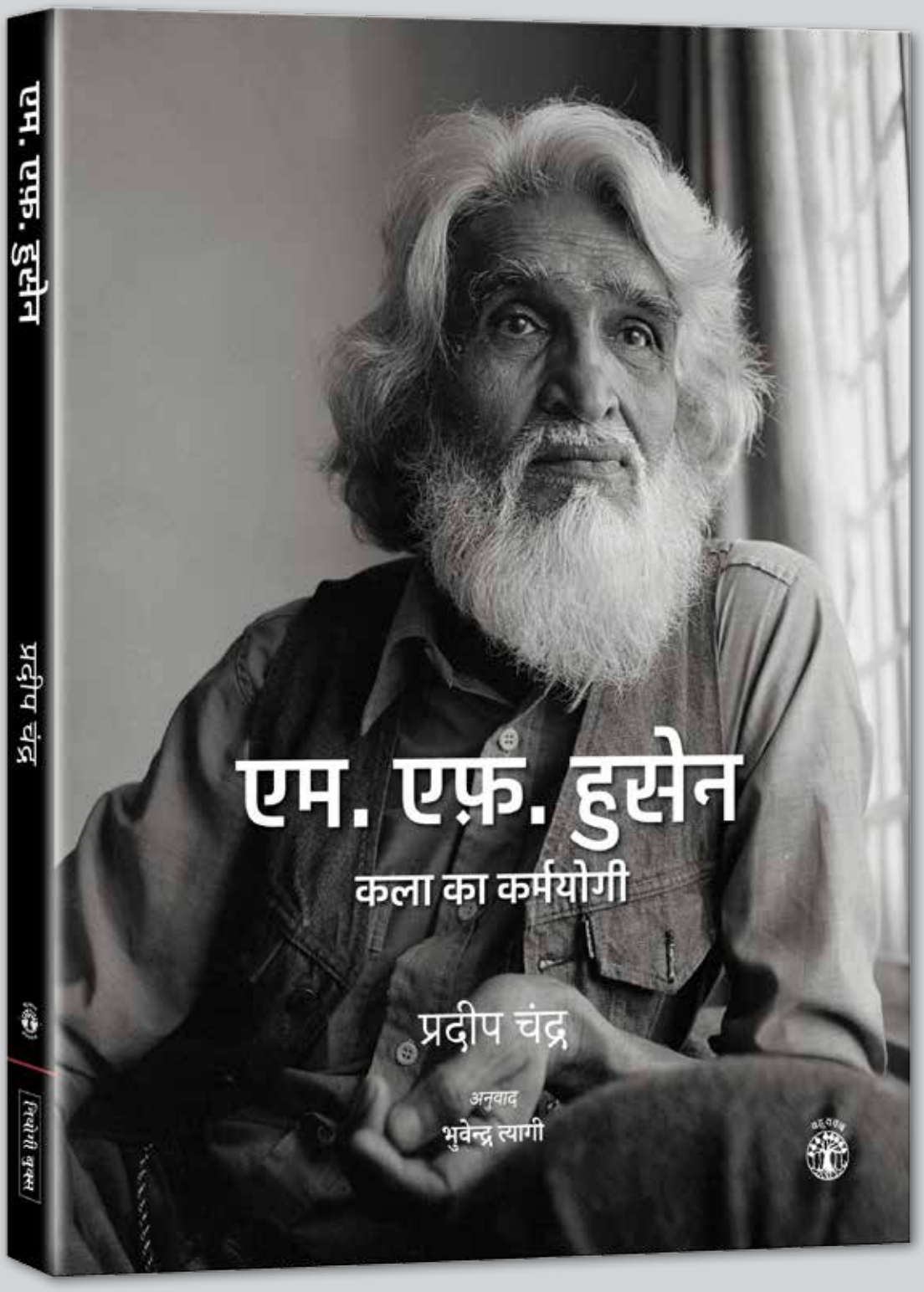

Published by
NIYOGI BOOKS
Fine publishing within reach

NIYOGI BOOKS PRIVATE LIMITED
Block D, Building No. 77, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110020, INDIA
Phone: 011 26816301, 26818960, Email: niyogibooks@gmail.com, Website: www.niyogibooksindia.com

एम. एफ़. हुसेन

कला का कर्मयोगी

प्रदीप चंद्र

अनुवाद

भुवेन्द्र त्यागी

BIOGRAPHY

₹795

ISBN: 978-93-86906-56-4

Size: 240mm x 184mm; 164pp

130 gsm art paper (matt)

All colour; 90 photographs

Hardback with dust jacket

मक़बूल फ़िदा हुसेन: इस नाम से जुड़े अनगिनत ख़याल और किस्से उन लोगों के ज़हन में हैं, जो किंवदंती बन चुके इस कलाकार की शख़्सियत से वाक़िफ़ हैं। माहिर चित्रकार, रंगीन व्यक्तित्व, अलग क़िस्म के फिल्मकार, महँगी से महँगी कारों के आशिक़, नंगे पाँवों चलने वाले चित्रकार, प्रेरणा देने वाली महिलाओं के बड़े कद्रदान थे ये हुसेन! वे उन लोगों के लिए भी एक पहेली थे, जो उन्हें अच्छी तरह जानते थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि हुसेन दुनिया के महानतम चित्रकारों में एक हैं। उनकी कला को समझने की कोशिश में कई किताबें लिखी गई हैं, मगर इस क़िताब में अलग नज़रिया है। इसमें हुसेन के अनेक आयामों और उनके चित्रकार के पीछे के शख़्स को सामने लाने की कोशिश की गई है। एम.एफ. हुसेन दरअसल रंक से राजा बनने की एक प्रेरक कथा है। वे हमेशा सच्चे कलाकार रहे। होर्डिंग बनाने, फर्नीचर डिज़ाइन करने, फिल्में बनाने या खाना बनाने में भी उनका हुनर साफ़ नज़र आता था। रचनात्मक अभिव्यक्ति मक़बूल के चित्रों में ही नहीं, बल्कि खुद को बड़ा दर्जा देने वाले स्थानों और लोगों के प्रति प्रेम में भी नज़र आती थी। उनके चित्रों, रुचियों, निजी जीवन और दुखों पर रोशनी डालने वाली अनेक घटनाएँ हैं। इस किताब में उनके जीवन के इन्हीं क़िस्सों के जरिए इस बहुआयामी कलाकार के व्यक्तित्व पर रोशनी डालने की कोशिश की गई है।

नंगे पाँव चलने वाले महान चित्रकार एम. एफ. हुसेन।
हुसेन की रचनात्मक अभिव्यक्ति का महज़ चिंतन।
हुसेन के रंक से राजा बनने की प्रेरणास्पद कथा।

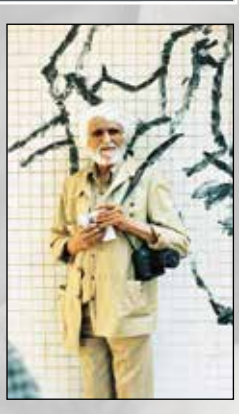

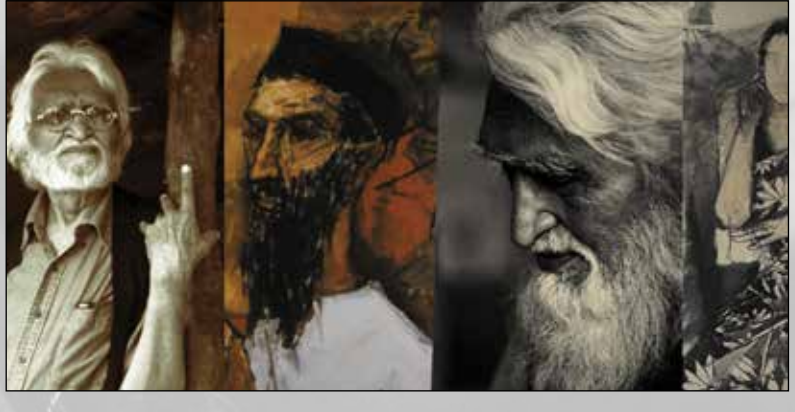

प्रदीप चंद्र की पहचान एक नामवर छायाकार की रही है। द *टाइम्स ऑफ इंडिया* ग्रुप, द *इंडियन एक्सप्रेस* और द *वीक* जैसे देश के प्रतिनिधि समाचार पत्रों के साथ लंबे समय तक कार्य किया और फ़ोटो पत्रकारिता में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया। कैमरे के पीछे प्रदीप चंद्र की एक अनुभवी आँख ही नहीं, सृजनात्मक सोच भी रही है और यही कारण है कि उनके चित्र समाचार पत्र-पत्रिकाओं के पृष्ठों तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि कला दीर्घा की दीवारों तक भी पहुँचे हैं। प्रदीप चंद्र ने कश्मीरी विस्थापितों, राजस्थान की हवेलियों और कमाठीपुरा के बच्चों जैसे विषयों पर प्रतिष्ठित कला दीर्घाओं में प्रदर्शनियाँ की हैं, जिन्हें कला जगत में काफ़ी सराहा भी गया। छाया चित्रकारी की अपनी लंबी यात्रा में प्रदीप चंद्र, हिंदी सिने जगत के बड़े और चर्चित कलाकारों के बदलते और ढलते हुए चेहरों को अपने कैमरे के माध्यम से बहुमूल्य दस्तावेज़ में बदलते रहे हैं। कला और फ़िल्म जगत में लगभग चार दशकों के अपने संबंधों के दौरान जमा की गई चित्रों और स्मृतियों की पूंजी को फ़िल्म और कला रसिकों तक पहुँचाना प्रदीप चंद्र की रचनात्मक ज़रूरत भी थी और कलात्मक ज़िम्मेदारी भी। लिहाज़ा, उन्होंने अमिताभ बच्चन, एम. एफ़. हुसेन, आमिर ख़ान और अभिषेक बच्चन पर कॉफ़ी टेबल बुक लिखी है और ये सिलसिला निरंतर जारी है। प्रदीप चंद्र मुंबई में रहते हैं और सपनों की नगरी मुंबई के बारे में एक किताब पर काम कर रहे हैं।

भुवेन्द्र त्यागी मेरठ विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एम.ए.। *नवभारत टाइम्स*, मुंबई में न्यूज एडिटर। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में विविध विषयों पर 2,500 से ज्यादा लेख प्रकाशित। आकाशवाणी, विविध भारती और बीबीसी से 250 से अधिक कार्यक्रम प्रसारित। 8 पुस्तकों का लेखन, सह-लेखन, संपादन और अनुवाद। कई डॉक्युमेंट्री फिल्मों का लेखन।